INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

: उ० :

मनकि शिवरतन मिश्रा पुत्र श्री गयादीन मिश्रा साकिन मौजा महुवाडीह ।नइवरती। डाकघर महुवाडीह परगना देहात अमानत जिला वाराणसी का हूं

चूं मकान खाम स्थित अन्दर आराजी नम्बरी १८७।२ वरकवा कुल ६८० वर्ग फीट मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी मिलकियत तनहा हम मुकिर की है जिसपर हम मुकिर तनहा बिला शिरकत गैरे वबमुदाखलत अहदे मालिकाना काबिज दखील है इसमें और कोई दीगर सख्स शरीक सहीम व हिस्सेदार नहीं है और न तो किसी अन्य व्यक्ति का इसपर किसी तरह का कब्जा दखल है हम मुकिर को तनहा इसकै मिल्कत कुलहुम अख्तियारात इन्तकालात हर एक साम कासिल है जो चाहू सो करू मकान मजकूर बिलकुल गिरपड़कर खन्डहर होगया है और इसवक्त वशक्ल भूमि के होगया है हम मुकिर की इसवक्त उक्त खन्डहर को अजसरे नौ बनवाने का इरादा नहीं है क्योंकि अजसरे नौ बनवाने में काफी रूपया खर्च होगा जोकि हम मुकिर के कूवत के बाहर है यही वजह हम मुकिर उक्त खन्डहर को बेच देना चाहता है और इससे जो रूपया प्राप्त होगा उसे अपने दीगर कार्य जरूरी में खर्च करना

श्री मोहन सम्पत्ति लेखक
चौधरी कचहरी वाराणसी

... शब्द लगभग 100 प्रतिलिपि शुल्क 6 - फीस 57/ -

इस लेखपत्र को श्री/श्रीमती शिवरतन मिश्र पुत्र ... पेशा ... निवासी ... मडुवाडीह ... जिला वाराणसी ने कार्यालय मुख्य उप-निबंधक वाराणसी में आज दिनांक 15..10.1985..ई. समय 11.12 .. बजे रजिस्ट्री हेतु प्रस्तुत किया।

शिवरतन

मुख्य उप–निबन्धक 15 10 85
वाराणसी।

इस पत्र के लेखन व सम्पादन की तथा समस्त धनराशि मु० 40000/- की ...... प्राप्ति को जिसमें से मु० 5000/- मेरे समक्ष नकद प्राप्त कर उपरोक्त श्री/श्रीमती शिवरतन मिश्र

ने स्वीकार किया जिनकी पहिचान श्री रामलाल

पुत्र श्री छोटेलाल पेशा ... निवासी ... मडुवाडीह परगना ... शहर/जिला वाराणसी व श्री विनोद कुमार

पुत्र श्री ... पेशा ... निवासी ... परगना ... शहर/जिला वाराणसी ने की।

मुख्य उप-निबन्धक 15 10 85
वाराणसी।

शिवरतन रामलाल विनोद ...

... ... के पृष्ठ ।

चाहता है जिससे कि हम मुकिर को लाभ हो पर हम मुकिर ने इसके विक्रय हेतु कई लोगों से बातचीत किया सबसे ज्यादा कीमत मुबलिग ४००० चार हजार रुपया देकर श्री नितिन मलहोत्रा ने इसे खरीद करने की अपनी आमादगी व ख्वाहिश जाहिर की कीमत मजकूर बहुत ही मुनासिब व माकूल है इतना व इससे अधिक कीमत कोई अन्य व्यक्ति देने को तैयार नहीं हुआ पस हम मुकिर ने इनके साथ व एवज कीमत मजकूर बैनामा करना तय व पोख्ता कर दिया और कन्सोलिडेशन एक्ट १९५३ के धारा २७ के अन्तर्गत आवेदन पत्र देकर सक्षम प्राधिकारी बंदोबस्त अधिकारी चकबन्दी से नोआबजेक्शन प्रमाण पत्र संख्या ६१ दिनांक ६।१०।०८ ई० प्राप्त कर लिया है अतः अब विक्रय पत्र तहरीर किये जाने में कोई वैधानिक अड़चन नहीं है लिहाजा आज हम मुकिर अपने राजीखुशी से बिला किसी दबाव नाजायज के अपने स्वस्थ मस्तिष्क एवं प्रसन्नचित्त से उक्त सन्दहर महदूदा मुफस्सला जैल को बिल एवज मुबलिग ४००० चार हजार रुपया तय शुदा जो इस वक्त के बाजार भाव से कम कीमत नहीं है बदस्त श्री नितिन मलहोत्रा पुत्र श्री कुसुम चन्द्र मलहोत्रा निवासी ग्राम शिवदासपुर हाकधर

(२००)

हरी मोहन स्टाम्प वेण्डर
दीवानी कचहरी वाराणसी

वाराणसी
उत्तर प्रदेश

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

महुवाडीह परगना देहात अमानत जिला वाराणसी बैनामा दस्तख करके इकरार करता वपावन्द शरायत जैल का होता हू।

१-यहकि कुल जरसमन बैनामा बाजा मुवलिग ४०००चार हजार रूपयाहम मुकिर कोइस्प्रकारवसूलहुआ कि मुवलिग ३५००तीन हजार पाच सौ रूपया बतौर जर बयाना कबल तहरीर बैनामा हाजा ले चुका है और मुवलिग ५००पाच सौ रूपया आज नकद रूबरू सब रजिस्ट्रार साहबवसूलहुआ।

इस तरीकपर कुल जरसमन दाम दाम हम मुकिर को प्राप्त होगया अब एक हब्बा भीबाबत जर समन मजकूर जिम्मे मुस्तरी मोसूफ़बाकी नहीं है।

२-यहकि आज की तारीख से हम मुकिर ने शय मुबइयापर से अपना कबजा दखल हटाकर बजाय अपने उसपर मुस्तरी मोसूफ का कबजा दखलवाबहैं मालिकाना करादिया मुस्तरी मोसूफ को चाहिये कि उसपर काबिजद खिल रहकर जोफेल मालिकाना चाहै अमल मे लावे और व इखराज नाम हममुकिर के अपना नाम मुन्दर्ज कागजात सरकारी करा लेवे।

३-यहकि शय मुबइया मे हम मुकिर को जो जो हुकूक व इखतियारात हासिल है

हरी मोहन स्टाम्प वेन्डर
दीवानी कचहरी-वाराणसी

वाराणसी

उत्तर प्रदेश

वे सब जुमला हकूक व अख्तियारात आज की तारीख से जरियेवसीका हाजा वहक मुस्तरी मौसूफ मुन्तकिल होकर मुस्तरी मौसूफ को हासिल हो गये अब शय मुवइया सेहम मुकिर या वारिसान व कायम मुकामान हम मुकिर से कोइ वास्ता व सरोकार किसी किस्म का नहीं रह गया और न आइन्दा रहेगा ।

४-यह कि शय मुवइया हर तरह कवा इैन इन्तकालात व निजाआत वगैरह से पाक व साफ वे अलिस है कहीं किसी तरीका पर मरहून या मुन्तकिल नहीं है और न किसी दीगर सख्स मेहक मे इसके निस्वत कोइ पटटा या इकरार नामा किसी तरह का तहरीर हुआ है और न किसी डिगरी के इल्लत मे कुर्क या नीलाम है और न किसी जमानत मे दिया हुआ है गरज कोहर तरह से पाक वसाफ है और पाक वसाफ वहक मुसतरी मौसूफ बयिनामा किया गया है ।

५-यह कि अगर व वजह फेलया तर्क फेल हम मुकिर या व वजह अदम इस्तहकाक मिलकियत हम मुकिर या व वजह शरीकदारी या कवजादारी किसी दीगर सख्स के या किसी वारसैन या निजा के विजह से कुल ख्वाह जुज शय मुवइया कवजा दखल मुस्तरी मौसूफ से निकल जावे तो उस सूरत मे मुस्तरी मौसूफ को अधिकार है

हरी मोहन स्टाम्प वेण्डर
दीवानी कचहरी वाराणसी

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२० रु. TWENTY RUPEES 20RS

व रहेगा कि वह अपना कुल जर समन मय खर्चा हरजा वसूद बशरह दो रुपया फीसदी माहवारी से जरिये हम मुकिर के जात व जायदाद मनकूला व गैर मनकूला से बसबील मुनासिब वसूल कर लेवे ।

६-यह कि हम मुकिर ने कुल मजमून वसीका हाजा को पढ़ व पढ़वाकर व खूबी समझ बूझ लिया है जिसकी पूरी पाबन्दी हरजाइना हम मुकिर व वरसाय व कायम मुकामान हम मुकिर पर है व आइन्दा रहेगी ।

लेहाजा यह चन्द कलमात बतरीक बैनामा लाकलाम के लिख दिया कि वक्त पर काम आवे व सनद रहे ।

तफसील भवन मय भूमि नम्बरी ९८७।२ एक सौ सत्तासी बटा दो रकबा ६८० वर्ग फीट जो गिरकर खन्डहर बशकल परती भूमि के हो गया है हस्व चौहद्दी जैल स्थित मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी । पूरब - जमीन वक्फ । पश्चिम जमीन श्री उदित सिंह । उत्तर - इन्डस्ट्रीज मलहौत्रा जी मुस्तरी । दक्खिन - कोठरी अमरनाथ । भवन मजकूर में इसवक्त कोई अमला नहीं है गिरकर बशकल खन्डहर के है। और सड़क से दो सौ मीटर से अधिक दूरी पर है।

तहरीर तारीख १५।१०।८५ ई० टाइपकर्ता ...

मसविदा रचयिता - Hari Narayan Singh Advocate

1015/86

हरी मोहन स्टाम्प वेन्डर
दीवानी कचहरी-वाराणसी

बही नं-1 जिल्द नं. 6328 के पृष्ठ-29/32 में क्र.नं. 5420 पर आज दिनांक 4/3/85 को रजिस्ट्री की गयी।

3/6/89

UTTAR PRADESH 1180 3/4 200 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु. Rs 200

भारत

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

चूँ देवतागण ठाकुर गोपाल नारायन व लक्ष्मीनारायन विराजमान
मन्दिर वाका मौजा शिवराजपुर परगना देहात तमाम जिला बाराबंकी
को हम धाराँ सिंह ने स्थापित किया है या और हम धाराँ सिंह ने
अपनी ~~निजी~~ सम्पत्ति जिसमें अराजी मुफस्सल जैल भी शामिल है
उपरोक्त देवतागण के हक में वक्फ कर दिया ताकि उसकी
आमदनी से उपरोक्त देवतागण की नित्य पूजा राग भोग व
उनके मन्दिरों की मरम्मत वगैरह बखूबी जायज से होती रहे
और हम उनका (वारिसान) उपरोक्त देवतागण ठाकुर गोपाल नारायन व लक्ष्मी-
नारायन का तनहा सेवइत व वक्फ शुदा सम्पत्ति का तनहा
इन्तजामकार हूँ किन्तु कागजात माल में हम धाराँ सिंह
के साथ शंकर नारायन सिंह व पृथ्वीपाल सिंह व कल्पनाथ सिंह
व बोड़ा सिंह व कामता सिंह व गुलाब सिंह का भी नाम-
दर्ज है जिसमें पृथ्वीपाल सिंह व कल्पनाथ सिंह फौत कर गये है
व गुलाब सिंह अर्सा करीब १० साल से बिला किसी औलाद के
अविवाहित लापता है जो उसके बारे में आज तक कुछ
सुना नहीं गया। पृथ्वीपाल सिंह के लड़के शमशेर बहादुर सिंह
उर्फ [illegible] सिंह है और कल्पनाथ सिंह के लड़के [illegible]

1200 / २५८६

7000

1000 3- 84

नाम .... निवासी ग्राम ग्राम ....

क्रमांक ...7 माह 5 ... 73

समय ... बजे के मध्य ...

में प्रस्तुत किया।

7.5.73

नियमित राशि ... 7000

जिसके द्वारा ... 7000

वास्तविक पक्ष द्वारा उपरोक्त ...

मुद्रा विक्रेता लाइसेंस ...

निवासी ग्राम ...

शहर/जिला ...

PRADESH

200 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००रु. Rs200

भारत

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

सिंह बालेश्वर व रामजी सिंह व सवजीत सिंह व अमरजीत सिंह व ओमप्रकाश सिंह नाबालिगान है जिनका वली उनका सगा भाई सुखदेव सिंह है और आनन्द सिंह भी कई सालों से लापता है इस कारण हम सभी लोग बहैसियत इन्तजाम कार बेमाने मे शामिल हो रहे है। इस वक्त उपरोक्त देवता गण का मन्दिर काफी खराब हो गया है और उसकी मरम्मत नये सिरे से होना लाजमी है और बिला मरम्मत के मन्दिर मजकूर के गिर जाने की — आशंका हो गई है और पानी के कमी के कारण कुछ पैदावार न होने से उपरोक्त देवतागण की राग भोग व सेवा पूजा मे भी दिक्कत पैदा हो गई है और बिला आराजी मुन्दर्जा जैल के बेचे न तो मन्दिर मजकूर की मरम्मत हो सकती है और न राग भोग व पूजा की व्यवस्था हो सकती है और आराजी मुन्दर्जा जैल पर फर्म के पार्टनर श्री नितिन मलहोत्रा व शोभाप्रभा मलहोत्रा निवासी ग्राम मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत वाराणसी का कब्जा दखल करीब पान्च छ साल से चला आ रहा है और वह आराजी उपरोक्त पार्टनर श्रीमती शोभाप्रभा मलहोत्रा व नितिन मलहोत्रा के कब्जे से निकालना मुश्किल हो गया है और वे लोग उपरोक्त आराजी का बैनामा अपने रजिस्टर्ड फर्म श्री गंगा केमिकल वर्क्स शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी के हक मे रु० 6000) साठ हजार रुपया मे खरीदने को तैयार है और यही आराजी मुन्दर्जा जैल की सही व बाजार कीमत भी है हालाके वाजिब कीमत

[illegible] दिवाणी न्यायालय, [illegible]

[illegible] चिन्ह साक्षीदार [illegible]

[illegible] समक्षानुसार [illegible]

7-5-7

पचास रुपया

भारत INDIA

५० रु. FIFTY RUPEES 50 RS.

कोई उज्र व आपत्ति देने को तैयार नहीं है लेहाजा हम मिनमुकिरान ठाकुर गोपाल नारायन व लक्ष्मीनारायन विसरान नन्दा सिंह निवासी मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी अपने स्वामित्व कर्ता निगहदाश्त व इन्तजाम कार श्री कंगुर सिंह व इन्तजाम कार श्री प्रकाश नारायन सिंह विसरान नन्दगोपाल सिंह व शमशेर बहादुर सिंह श्री पावन सिंह पुत्र पृथ्वीपाल सिंह व दिवाकर सिंह खुद व वली रामप्रताप सिंह व सर्वजीत सिंह व प्रमजीत सिंह व ओमप्रकाश सिंह नाबालिगान विसरान कल्पनाथ सिंह व बोड़े सिंह पुत्र सत्यनारायन सिंह साकिनान मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी के जीजे व पुत्रों व खानदान व दुसरों होगा व इकरार बिला किसी दबाव नाजायज के आराजी मुन्दर्जे जैल का बैनामा बहक [illegible] फर्म श्री गंगा केमिकल्स वर्क्स स्थित मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी व एवज मुबलिग 6000) साठ हजार रुपया जिसका आधा रु० 3500) पैंतीस सौ रुपया होता है मैं लिखकर अपने तथा अपने वारिसान व कायम मुकामान को निम्नलिखित शर्तों में आबद्ध करते हैं और यह आराजी नगर महापालिका वाराणसी की सीमा के बाहर है।

1- यह कि कुल जर समन बैनामा हाजा मिनमुकिरान को एकमुश्त बदालत प्राप्त हो चुका है अब एक पैसा भी बाकी तथा बाजयाफ्त शेष नहीं है। 2- यह कि आराजी मुन्दर्जे जैल पर उपरोक्त फर्म का कब्जा दखल आज की तारीख से करा दिया। 3- यह कि आराजी मुन्दर्जे जैल पर से हम मिनमुकिरान व हम मिनमुकिरान के स्वामित्व कर्ता व इन्तजाम कार तथा निगहदाश्त का नाम कटवा कर उपरोक्त फर्म श्री गंगा केमिकल्स वर्क्स शिवदासपुर अपना नाम दर्ज कागजात करा लेवेंगे व लगान मालगुजारी को अदा करते रहेंगे [illegible] हम मिनमुकिरान के कोई उज्र

पचास रुपया

भारत INDIA

५०रु. FIFTY RUPEES 50Rs

कोई दूसरा व्यक्ति देने को तैयार नहीं है लेहाजा हम मिनमुकिरान ठाकुर गोपाल नारायन व लक्ष्मीनारायन [illegible] मन्दार सिंह मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी अपने [illegible] निबहत व इन्तजाम कार श्री बांगुर सिंह व इन्तजाम कार श्री द्वारकानारायन सिंह [illegible] नन्दलाल [illegible] सिंह व शमशेर बहादुर सिंह [illegible] पावन सिंह पुत्र पृथ्वीपाल सिंह व प्रभुदयाल सिंह खुद व वली रामप्रताप सिंह व नवजीत सिंह व प्रमजीत सिंह व ओमप्रकाश सिंह [illegible] कल्पनाथ सिंह व बोड़े सिंह पुत्र सत्यनारायन सिंह साकिनान मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी के [illegible] होश व हवास बिला किसी दबाव नाजायज के आराजी मुतनाजा जैल का बैनामा बहक राजेन्द्र कर्म श्री गंगा केमिकल्स वर्क्स स्थित मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी व एवज मुबलिग 6000) साठ हजार रुपया जिसका आधा रु० 35000) पैंतीस सौ रुपया होता है मैं लिख-करके अपने तथा अपने वारिसान व कायम मुकामान को निम्नलिखित शर्तों में आबद्ध करते हैं और यह आराजी नगर महापालिका वाराणसी की सीमा के बाहर है।

१-यह कि कुल जर समन बैनामा हाजा मिनमुकिरान को [illegible] अदालत प्राप्त हो चुका है अब एक पैसा भी बाकी तथा वाजिबुल अदा नहीं है। २-यह कि आराजी मुतनाजा जैल पर उपरोक्त भूमि का कब्जा दखल आज की तारीख से करा दिया। ३-यह कि आराजी मुतनाजा जैल पर से हम मिनमुकिरान व हम मिनमुकिरान के [illegible] कर्ता व इन्तजाम कार तथा निबहत का नाम कटवा कर उपरोक्त फर्म श्री गंगा केमिकल्स वर्क्स शिवदासपुर अपना नाम दर्ज कागजात करा लेवेगी व लगान [illegible] को [illegible] अपने नाम से लिखा के [illegible] हम मिनमुकिरान को [illegible]

૨૯૮

[illegible]

૫

INDIA

पांच रुपया — FIVE RUPEES — भारत — FIVE RUPEES — पांच रुपया

है। 4. यह कि अगर किसी मुस्त्रका जायदाद की बाबत या कानूनी दावे पेच के कारण या किसी फेल या तर्क फेल हम इन्तकाल करने वालेअ- इत के वजह से आरजी मुस्तामला जेल का कुल या जुज उपरोक्त फर्म के कब्जा दावल से निकाल जाए तो उस सूरत मे उपरोक्त फर्म को अपने पार्टनर के जरिये यह हक हासिल होगा कि कुल जर तमन बैनामा मिन्जुमला की जांच व जायदाद या हम इन्तकाल करने व नियहता व स्थापित करने की जायदाद से वसूल कर लेवे उसमें मिन्जुमला व उसके इन्तकालकरान को कोई उजर या एतराज नही होगा।
5. यह कि कुल मजमून वसीका हाजा को व खूबी पढ व पढवा कर तथा उसके अर्थ को खूब व समझ कर उसके प्रतिबन्धो से अपने तथा अपने वारिसान को आबद्ध करते व दुरुस्ती होश व हवास बिला किसी दबाव नाजायज के आराजी मुस्तामला जेल जो मिल्कियत मिन्जुमला की है का बैनामा मोकम्मल बहक उपरोक्त जो गया को मिनकल बहक तहरीर कोविधा ताकि वक्त पर काम आवे व प्रमाण है। तफसील आराजी अधिकारी मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी। आराजी नम्बर 186/86 रकबा एक बिस्वा तीन विस्वांसी चौदाह डिसमिल) लगान- 20 पैसा लगभग। लोगक- देवन-वन लि [illegible] दीवानी कचहरी वाराणसी तारीख तहरीर 6-8-(93) नोट- आराजी मुस्तामला जेल के आस- पास की भूमि हक निष्पक्ष पच्चीस हजार प्रति एकड़ बीकाती है। 3 नोट- पृष्ठ एक के तल आठ के ऊपर राघुरानि लिखा है तथी है व पृष्ठ दो के सतर तीन मे कौन्ज काट कर होर उधर लिखा है तथी है व सतर तेरह के ऊपर विधानसभा मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत वाराणसी लिखा है तथी है व पृष्ठ तीन के सतर अठारह मे फर्म गुन्दा है। व पृष्ठ चार के सतर ग्यारह मे मिन्जुमली आराजी के ऊपर अधिकारी लिखा गया है तथी है। बी.को० व पृष्ठ तीन मे सतर नाम के ऊपर आराजी लिखा है तथी है। को.को. हस्ताक्षर [illegible] 3

[illegible] 14/6/13

मुहर [illegible] वाहिद

हस्ताक्षर विक्रेता

[illegible]

कार्तिका प्रसाद
स्टाम्प विक्रेता,
दीवानी न्यायालय

बही नं. १ जि. ८४५४ पेज २८७ पर क्रमांक ११२८० पर आज ता. ४ अप्रैल सन १९८६ ई. रजिस्ट्री की गई।

रजि.